

BXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3---उप-सण्ड (ii) PART II—Section 3---Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 64] मई बिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 13, 1981/माघ 24, 1902

No. 64] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 13, 1981/MAGHA 24, 1902

इस भाग में भिन्न पूळ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के इत्य में रक्षा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(भौद्योगिक विकास विभाग)

आसेटा

नर्क दिल्ली, 13 फरवरी, 1981

का. आ. 95(s)/18कां आई ही आर $\psi/81$:—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (अौद्योगिक विकास विभाग) के अरदेश में का आ. 105 (अ)/18-श्वल/ आईडिआर $\psi/78$, तारील 17 फरवरी, 1978 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश काहा गया है/ द्वारा केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और धिनियम) अधि-नियम, 1951 (1951 के 65) की धारा 18-चल की उपधारा (1) के लंड (स) द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हु ψ , द्वीयणा की थी कि इस आदेश के जारी होने

की तारीख से ठीक पूर्व प्रयूत्त सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखिलों का (उनसे भिन्न, जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्यों से सम्बन्धित है), जिनका कि मैसर्स इन्दौर टेक्सटाइल्स लिमिटेड, उज्जैन, मध्य प्रदेश नामक औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हो सकते हैं, प्रयत्न उस तरीख से एक वर्ष की अविध के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व तव्धीन प्रोद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, घाध्यताएं और दायित्य उक्त अविध के लिए निलम्बित रहेगे;

और उक्त आदेश की अस्तित्वाविध 16 फरवरी, 1981 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा बी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अस्तित्वाविध एक वर्ष की अवधि के लिए और बढ़ा दी जानी चाहिए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियम) अधिनियम, 1951(1951 का 65) की धारा 18-चल की उपभारा (2) के साथ पठितः, उपधारा (1) के लण्ड (ख) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्ष्त आवेश की अस्तित्वाविध 16 फरवरी, 1982 तक, जिसमें यह तारील भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[फा. सं. 3(1)/81-सी. यू. एस.] आर. एन. चोपड़ा, अपर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 13th February, 1981

S.O. 95(E)/18FB/IDRA/81.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 105(E)/18FB/IDRA/78, dated the 17th February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18 FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messes Indore Textiles Limited, Ujjain, Madhya Pradesh is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year from such date and that all the rights, privileges, obligations, and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said post;

And whereas the duration of the said Order was extended upto and inclusive of the 16th February, 1981;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of subsection (1), read with sub-section (2), of section 18 FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 16th February, 1982.

[File No. 3(1)/81-CUS]

R. N. CHOPRA, Additional Secy.